परिचय

यह एक राष्ट्रव्यापी संगठन है, जिसमें राष्ट्रीय नेतृत्व व विचारधारा समाहित है। इसकी स्थापना सन् 1977 को देश के 10वें राष्ट्रपति स्वर्गीय श्री के0आर0 नारायणन जी द्वारा अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग को संगठित करने के लिए परिषद का गठन किया। संगठन के 7वें राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री पी0एल0 पुनिया जी थे। यह नॉन रजिस्टर्ड संस्था है।

उद्देश्य

हमारे महापुरूषों का जो मिशन रहा – **"विषमता, ब्राम्हणवादी, सामाजिक व्यवस्था को ध्वस्त कर समता, स्वतंत्रता, भाईचारा तथा न्याय एवं मानवीय मूल्यों पर आधारित जाति मुक्त समाज का निर्माण करना"।**

मिशन- सामाजिक व्यवस्था परिवर्तन।

विचारधारा- फुले- अम्बेडकर विचारधारा।

इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए एक विचारधारा विकसित की गई- **"जो लोग इस व्यवस्था से पीड़ित हैं वही लोग व्यवस्था परिवर्तन के आन्दोलन में सक्रिय सहभागी हो सकते हैं"।** उन्हीं को संगठित करना आवश्यक है, यानि शोषक और शौषित जातियों की स्पष्ट रूप से पहचान जरूरी है।

- मूल निवासी बहुजन समाज का आन्दोलन आत्मनिर्भर बनाने के लिए इनसे ही बुद्धि, पैसा एवं हुनर का निर्माण करना।
- ब्राम्हणवादी समाज व्यवस्था से कम या अधिक पीड़ित लगभग 6000 जातियों में जागृति लाकर उनमें भाईचारा पैदा करना और इन जातियों को आपस में जोड़कर सामाजिक ध्रुवीकरण करना।
- नेतृत्वहीन समाज में कर्तव्यनिष्ठ एवं ईमानदार नेतृत्व का निर्माण करना और उसकी बेहतर व्यवस्था करना।
- दिशाहीन समाज को सम्मानजनक एवं कल्याणकारी, आत्मनिर्भर दिशा प्रदान करना।
- उद्देश्य विचारधारा मूल्य एवं सिद्धांतों के प्रति समर्पित पूर्णकालिक प्रचारक को मिशन सामाजिक परिवर्तन के कार्य में लगाना।
- साहित्यिक शोध, महापुरूषों की विचारधारा पर आधारित साहित्य तैयार करना व प्रचार-प्रसार के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाना।
- समाज में व्याप्त बुराईयों को दूर करना।

Scanned with CamScanner

- विकास की सही दिशा को निर्देशित करना।
- समाज में हो रहे परिवर्तनों का मूल्यांकन करना।

संगठन की मर्यादाएं

- यह गैर राजनैतिक संगठन है।
- किसी भी दल का व्यक्ति सदस्य बन सकता है लेकिन विचारधारा फुले-अम्बेडकरवादी होना चाहिए।
- विचारधारा में टकराव की स्थिति में दोनों में से एक को चुनना होगा।

रणनीति

संवैधानिक मूल्यों का पालन करते हुए रक्तहीन क्रांति का आव्हान।

कार्यक्रम

राष्ट्रीय अधिवेशन, राज्य अधिवेशन, जिला अधिवेशन, ग्रामीण स्तर पर शाखाओं का संचालन।

विकास के समान अवसर प्राप्त हों एवं सभी के लिए समान न्याय व्यवस्था उपलब्ध हो। इस प्रयास को आपसी सहभागिता से सफल बनाया जा सकता है। आइए साथ मिलकर असमानता और भेदभाव को दूरकर एक बेहतर समाज के निर्माण का संकल्प लें।

जय भीम - जय संविधान

राष्ट्रीय अध्यक्षों की सूची

1.	माननीय श्री के.आर. नारायणन जी	1977-1982
2.	माननीय श्री के. रामास्वामी जी	1982-1988
3.	माननीय श्री ए. वर्धराजन	1988-1993
4.	माननीय श्री हरिनारायण मीणा जी	1993-1998
5.	माननननीय श्री आर.के. मालवीय जी	1998-2003
6.	माननीय श्री वाई मकवाना जी	2003-2005
7.	माननीय श्री पी.एल. पुनिया जी	2005-2020
8.	माननीय श्री प्रवीण मांगरिया जी	2020- वर्तमान

Scanned with CamScanner